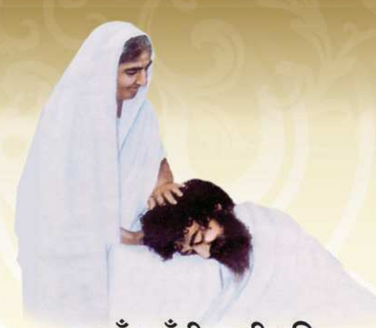

सेवा दर्पण
५० वर्षों से निरंतर बहती जनहित की गंगा...
पूज्य संत
श्री आशारामजी बापू
बोलता-मुस्कराता कर्मयोग



सद्‌गुरु साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज के श्रीचरणों में पूज्य बापूजी



सिद्धावस्था में आत्मानंद की मस्ती



माँ महँगीबाजी की गोद में पूज्य बापूजी



शास्त्राध्ययन करते हुए पूज्य बापूजी



प्राणिमात्र के हितैषी पूज्य बापूजी

युग-प्रवर्तक संत का अवतरण



विलक्षण साधनावस्था



देदीप्यमान बाल्यावस्था



शैशव

आत्मारामी, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, योगिराज प्रातःस्मरणीय पूज्य संत श्री आशारामजी बापू ने आज भारत ही नहीं वरन् समस्त विश्व को अपनी अमृतवाणी से परितृप्त कर दिया है। बालक आसुमल का जन्म अखंड भारत के सिंध प्रांत के बेराणी गाँव में १७ अप्रैल १९४१ को हुआ था। आपके पिता थाऊमलजी सिरुमलानी नगरसेठ थे तथा माता महँगीबा धर्मपरायणा और सरल स्वभाव की थीं। बाल्यकाल में ही आपश्री के मुखमंडल पर झलकते ब्रह्मतेज को देखकर आपके कुलगुरु ने भविष्यवाणी की थी कि 'आगे चलकर यह बालक एक महान संत बनेगा, लोगों का उद्धार करेगा।' इस भविष्यवाणी की सत्यता आज किसीसे छिपी नहीं है। ये ही आसुमल ब्रह्मनिष्ठ संत श्री आशारामजी बापू के रूप में आज बड़े-बड़े दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं तथा अफसरों से लेकर अनेक शिक्षित-अशिक्षित साधक-साधिकाओं तक सभीको अध्यात्म-ज्ञान की शिक्षा दे रहे हैं, भटके हुए मानव-समुदाय को सही दिशा प्रदान कर रहे हैं।

आपश्री का बाल्यकाल एवं युवावस्था विवेक-वैराग्य की पराकाष्ठा से सम्पन्न थे, जिससे आप अल्पायु में ही गृह-त्याग कर प्रभुमिलन की प्यास में जंगलों-बीहड़ों में घूमते-तड़पते रहे। नैनीताल के जंगल में साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज आपको सद्‌गुरुरूप में प्राप्त हुए। मात्र २३ वर्ष की अल्पायु में आपने पूर्णत्व का साक्षात्कार कर लिया। सद्‌गुरु ने कहा : 'आज से लोग तुम्हें 'संत आशारामजी' के रूप में जानेंगे। जो आत्मिक दिव्यता तुमने पायी है उसे जन-जन में वितरित करो।'

गुरुआज्ञा शिरोधार्य करके समाधि-सुख छोड़कर आप अशांति की भीषण आग से तप्त लोगों में शांति का संचार करने हेतु समाज के बीच आ गये। सन् १९७२ में आपश्री साबरमती नदी के पावन तट पर स्थित मोटेरा (अहमदाबाद) पधारे, जहाँ दिन में भी मारपीट, लूटपाट, डकैती व असामाजिक कार्य होते थे। वही मोटेरा गाँव आज लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं का पावन तीर्थधाम, शांतिधाम बन चुका है।

'सबका मंगल, सबका भला' का उद्‌घोष करनेवाले पूज्य बापूजी को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी व अन्य धर्मावलम्बी भी अपने हृदय-स्थल में बसाये हुए हैं व अपने को पूज्यश्री के शिष्य कहलाने में गर्व महसूस करते हैं। भारत की राष्ट्रीय एकता-अखंडता व शांति के प्रबल समर्थक पूज्यश्री ने राष्ट्र के कल्याणार्थ अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है।



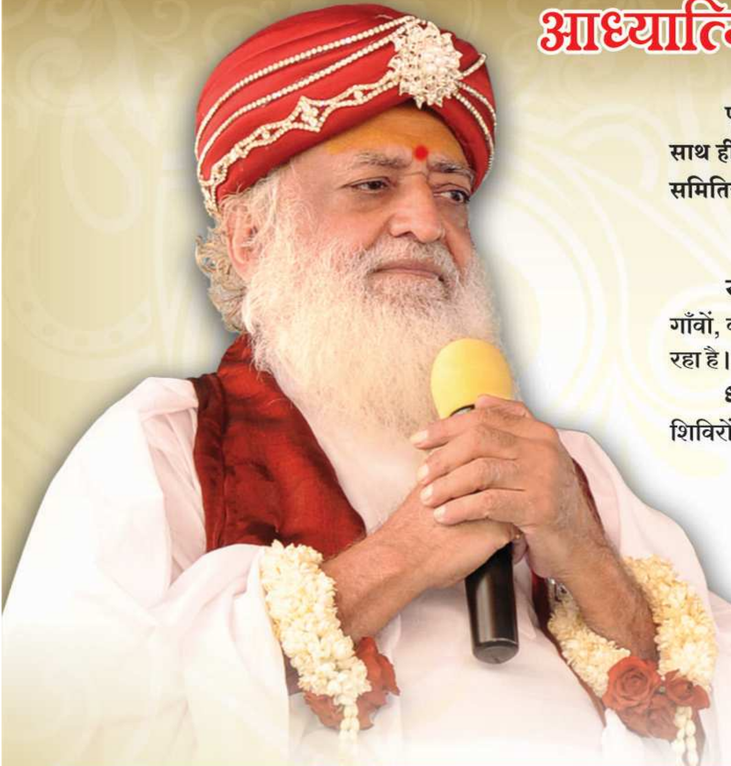
पूज्य बापूजी की तपःस्थली - मोक्ष कुटीर



अहमदाबाद आश्रम



साधना हेतु पिरामिड



आध्यात्मिक क्रांति के प्रणेता और कुंडलिनी योग के समर्थ आचार्य

पूज्य संत श्री आशारामजी बापू के सत्संग में ध्यानयोग की गहराई, भक्तियोग का माधुर्य और ज्ञानयोग की तत्त्वनिष्ठा का सुंदर सम्मिश्रण होता है; साथ ही आपके जीवन में कर्मयोग भी पूरी तरह निखरा है । आपकी सत्प्रेरणा से देश-विदेश में फैले ४२५ से अधिक आश्रमों, १४०० श्री योग वेदांत सेवा समितियों एवं करोड़ों साधकों द्वारा चल रही अनेकानेक सेवा-प्रवृत्तियों के माध्यम से आज समाज लाभान्वित हो रहा है ।

आध्यात्मिक, नैतिक व सर्वांगीण विकास के कार्यक्रम

सत्संग कार्यक्रमों द्वारा जनजागृति : पूज्य बापूजी एवं बापूजी के कृपापात्र साधक-शिष्यों के सत्संग-कार्यक्रम देशभर के विभिन्न शहरों, गाँवों, कस्बों एवं विद्यालयों में अविरत जारी रहते हैं। इनके माध्यम से सद्‌विचारों, सुसंस्कारों, यौगिक क्रियाओं व स्वास्थ्यप्रद युक्तियों का ज्ञान बाँटा जा रहा है। असंख्य लोग असाध्य रोगों से मुक्ति पा रहे हैं।

ध्यानयोग साधना शिविर : लाखों लोग अपने आध्यात्मिक उत्थान हेतु पूज्य बापूजी के सान्निध्य में आयोजित होनेवाले 'ध्यानयोग साधना शिविरों' में कुंडलिनी योग व ध्यानयोग द्वारा तनाव व विकारों से छुटकारा पाकर अपनी सुषुप्त शक्तियों को जागृत करते हैं ।

Spiritual, Moral and All Round Development Programmes

पूज्य बापूजी जागरण का शंखनाद कर रहे हैं



''पूज्य बापूजी सारे देश में भ्रमण करके जागरण का शंखनाद कर रहे हैं, सर्वधर्म-समभाव की शिक्षा दे रहे हैं, संस्कार दे रहे हैं तथा अच्छे और बुरे में भेद करना सिखा रहे हैं ।''

- श्री अटल बिहारी वाजपेयी, तत्कालीन प्रधानमंत्री



पूज्य बापूजी का संकल्प हुआ साकार

कुछ वर्ष पूर्व पूज्य बापूजी ने श्री नरेन्द्रभाई मोदी को आशीर्वाद देते हुए कहा था: ''हम आपको देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं ।'' पूज्य बापूजी का वह संकल्प साकार हुआ है ।



आपका आशीर्वाद बना रहे...

''महाराज पूज्य बापूजी ! आपका आशीर्वाद बना रहे क्योंकि मैं राज करने नहीं आयी, धर्म और कर्म को एक साथ जोड़कर मैं सेवा करने के लिए आयी हूँ और वह मैं करती रहूँगी । आप रास्ता बताते रहो और इस राज्यरूपी परिवार की सेवा करने की शक्ति देते रहो ।''

- श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, मुख्यमंत्री, राजस्थान

संतों के आशीर्वाद ही हम सबकी बड़ी पूँजी हैं

''पूज्य बापूजी ! आप देश और दुनिया - सर्वत्र ऋषि-परम्परा की संस्कार-धरोहर को पहुँचाने के लिए अथक तपश्चर्या कर रहे हैं । अनेक युगों से चलते आये मानव-कल्याण के इस तपश्चर्या-यज्ञ में आप अपने पल-पल की आहुति देते रहे हैं । उसमें से जो संस्कार की दिव्य ज्योति प्रकट हुई है, उसके प्रकाश में मैं और जनता - सब चलते रहें । मेरा ऐसा सौभाग्य रहा है कि जीवन में जब कोई नहीं जानता था, उस समय से बापूजी के आशीर्वाद मुझे मिलते रहे हैं, स्नेह मिलता रहा है ।

मैं समझता हूँ कि संतों के आशीर्वाद ही हम सबकी बड़ी पूँजी होती है । इस महान ऋषि-परम्परा को प्रणाम । पूज्य बापूजी के चरणों में वंदन !''

- श्री नरेन्द्र मोदी, तत्कालीन मुख्यमंत्री, गुजरात; वर्तमान प्रधानमंत्री

जीवन की सच्ची शिक्षा बापूजी जैसे संत शिरोमणि ही दे सकते हैं

''बापूजी कितने प्रेमदाता हैं कि कोई भी व्यक्ति समाज में दुःखी न रहे इसलिए सतत प्रयत्न करते रहते हैं । जीवन की सच्ची शिक्षा तो हम भी नहीं दे पा रहे हैं, ऐसी शिक्षा तो पूज्य संत श्री आशारामजी बापू जैसे संतशिरोमणि ही दे सकते हैं ।''



- श्रीमती आनंदीबहन पटेल

तत्कालीन शिक्षामंत्री, वर्तमान मुख्यमंत्री, गुजरात

लोकसेवा के आदर्श
लोकसेवा के आदर्श



निंदा व स्तुति के कितने ही प्रसंग आये-गये लेकिन महाकर्मयोगी पूज्य बापूजी का कर्मयोग, अलौकिक आनंद बाँटने का सेवाकार्य अबाधित गति से सतत चलता ही रहा है। महाकर्मयोगी बापूजी स्वयं तो कर्मयोग में रत रहते ही हैं, साथ ही अपने करोड़ों शिष्यों को भी प्राणिमात्र के हित के लिए सेवाकार्यों में लगाते हैं।

प्राणिमात्र के परम सुहृद







जीवनोपयोगी सामग्री, नकद रुपये एवं मकान वितरण

गरीब, आदिवासी एवं पिछड़े लोगों का विकास

✻ पूज्य बापूजी दरिद्रनारायणों में अनाज, बर्तन, कपड़े, कम्बल आदि जीवनोपयोगी वस्तुओं के साथ नकद रुपये भी वितरित करते हैं।

✻ गरीब एवं आदिवासी क्षेत्रों में कीर्तन व भंडारों का आयोजन होता है।

✻ आश्रम के राशन-कार्ड के माध्यम से कार्डधारकों (गरीबों, वृद्धों, विकलांगों, अनाश्रितों एवं विधवाओं के लिए) में हर माह अनाज व जीवनोपयोगी वस्तुओं का निःशुल्क वितरण होता है।

✻ सर्दियों में गरीबों, असहायों एवं रात्रि में ठंड से ठिठुरते लोगों में गर्म कपड़ों-कम्बलों आदि का वितरण होता है।

✻ गरीबों, मजदूरों में गर्म भोजन के डिब्बों (**Hot Cases**) का वितरण होता है।

✻ पूज्य बापूजी द्वारा समय-समय पर गरीबों, आदिवासियों, आपदाग्रस्तों, जरूरतमंदों में मकान-वितरण होता है।

Programmes for development of tribals and underprivileged

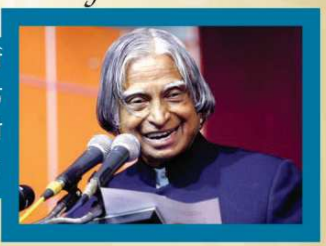
'भजन करो, भोजन करो, रोजी पाओ' योजना

इस योजना के अंतर्गत जिनके पास आय का साधन नहीं है या जो नौकरी-धंधा करने में सक्षम नहीं हैं उनको सुबह से शाम तक भगवन्नाम जप, कीर्तन, सत्संग का लाभ देकर भोजन और रोजी (नकद रुपये) दी जाती है ताकि गरीबी, बेरोजगारी घटे साथ ही जप-कीर्तन से वातावरण की शुद्धि हो।

Food and Wages for Chanting Scheme



''पूज्य बापूजी एवं उनके आश्रम द्वारा गरीबों और पिछड़े लोगों को ऊपर उठाने के कार्य चलाये जा रहे हैं, मुझे प्रसन्नता है। मानव-कल्याण के लिए, विशेषतः प्रेम व भाईचारे के संदेश के माध्यम से किये जा रहे विभिन्न आध्यात्मिक एवं मानवीय प्रयास समाज की उन्नति के लिए सराहनीय हैं।'' - **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, तत्कालीन राष्ट्रपति**



बाल विकास कार्यक्रम

Student Development programmes



❋ देश-विदेश में १७,००० से अधिक 'बाल संस्कार केन्द्रों', 'छात्र बाल संस्कार केन्द्रों' एवं 'कन्या बाल संस्कार केन्द्रों' द्वारा सुसंस्कार-सिंचन ❋ बाल मंडल, छात्र मंडल, कन्या मंडल द्वारा परहित सेवा ❋ विद्यालयों व महाविद्यालयों में 'योग व उच्च संस्कार शिक्षा कार्यक्रम' ❋ छुट्टियों में विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य निर्माण शिविरों का आयोजन ❋ विद्यार्थी तेजस्वी तालीम शिविर (इनमें पूज्य बापूजी के सान्निध्य में विद्यार्थियों को ज्ञान, ध्यान व यौगिक क्रियाओं का प्रसाद प्राप्त होता है) ❋ लौकिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक व यौगिक ज्ञान से सम्पन्न ४० से अधिक गुरुकुल ❋ युवाधन सुरक्षा अभियान के अंतर्गत २ करोड़ से भी अधिक 'दिव्य प्रेरणा-प्रकाश' पुस्तकों का वितरण ❋ अभावग्रस्त विद्यार्थियों को मदद

मातृ-पितृ पूजन दिवस : १४ फरवरी

Parents' Worship Day : 14 February





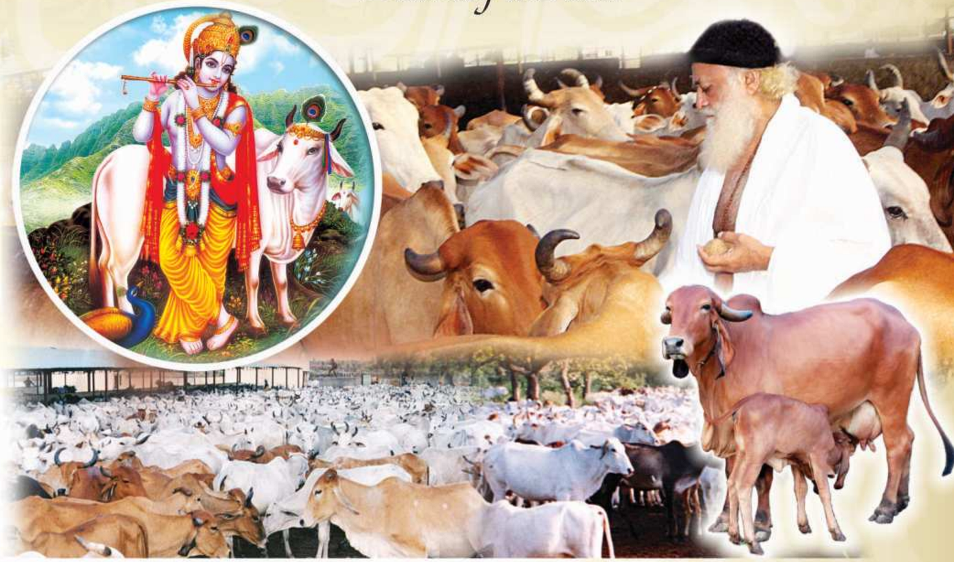
राष्ट्रपति के प्रेस सचिव वेणु राजामणि : ''भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने हेतु वैश्विक स्तर पर प्रतिवर्ष १४ फरवरी को 'मातृ-पितृ पूजन' अभियान चलाया जा रहा है।''

लोकसेवा के आदर्श

लोकसेवा के आदर्श

गौसेवा

Serving the cow



❋ देशभर में अनेकों गौशालाओं का संचालन, जिनमें कत्लखाने ले जाने से रोकी गयीं हजारों गायों का संरक्षण-पालन होता है। ❋ इन गायों के झरण, गोबर आदि से धूपबत्ती, खाद, फिनायल, औषधियाँ आदि का निर्माण कर गौशालाओं को स्वावलम्बी बनाया गया है।

❋ भारतीय संस्कृति पर हो रहे कुठाराघात से व्यथित लोकहितकारी महापुरुष पूज्य बापूजी के आह्वान से प्रेरणा पाकर पिछले ८ वर्षों से देश-विदेश में करोड़ों लोग 'वेलेंटाइन डे' मनाने के बदले 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' मना रहे हैं। इससे करोड़ों युवा पतन से बचे हैं एवं उनके जीवन में संयम, सदाचार के पुष्प खिले हैं।

❋ घर-परिवारों, विद्यालयों-महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों में सामूहिक रूप से **मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्यदेवो भव ।** की दिव्य भावना से माता-पिता के पूजन व आदर-सम्मान का यह पवित्र दिवस १४ फरवरी को बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है।

❋ यह पर्व अब भारत में ही नहीं वरन् विश्व के १६७ देशों में मनाया जा रहा है।

''संस्कार धरोहर का संरक्षण-संवर्धन करने हेतु हर वर्ष १४ फरवरी को पूरा छत्तीसगढ़ राज्य 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' मनायेगा।'' - डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़







''पूज्य बापूजी में कर्मयोग, भक्तियोग तथा ज्ञानयोग तीनों का ही समावेश है । आप आज करोड़ों-करोड़ों भक्तों का मार्गदर्शन कर रहे हैं । संतों के मार्गदर्शन में देश चलेगा तो आबाद होगा । मैं तो बड़े-बड़े नेताओं से यही कहता हूँ कि आप संतों का आशीर्वाद जरूर लो । इनके चरणों में अगर रहेंगे तो सत्ता रहेगी, टिकेगी तथा उसीसे धर्म की स्थापना भी होगी ।'' - श्री अशोक सिंहल, मुख्य संरक्षक व पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद

नारी उत्थान कार्यक्रम

Women's Welfare & Development Programmes







महिला उत्थान मंडल द्वारा संचालित

- महिला जागृति अभियान
- गर्भपात रोको अभियान
- दिव्य शिशु संस्कार
- संस्कृति-जागृति यात्रा
- व्यसनमुक्ति अभियान
- तेजस्विनी अभियान-शिविर

इसमें गृहस्थ में सुख-शांति एवं समृद्धि तथा नारी धर्म निभाने की युक्तियाँ बतायी जाती हैं।

युवा उत्थान कार्यक्रम

Youth Development Programmes



* 'युवा सेवा संघ' द्वारा तेजस्वी युवा अभियान, देशभक्ति यात्राएँ, भंडारे आदि हजारों युवा उत्थान कार्यक्रमों का आयोजन

कैदी उत्थान सेवा

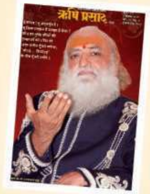
Prisoners' Reformation Programmes



* कैदियों के शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक उत्थान हेतु योगासन, प्राणायाम प्रशिक्षण व प्रोजेक्टर-सत्संग कार्यक्रमों का आयोजन * निःशुल्क सत्साहित्य-वितरण

ऋषि प्रसाद

आध्यात्मिक मासिक पत्रिका



सुखी, स्वस्थ और सम्मानित जीवन का आधार

www.rishiprasad.org

ऋषि दर्शन

DVD

आध्यात्मिक मासिक विडियो मैगजीन

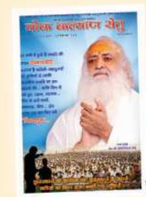


पूज्य बापूजी के जीवन, उपदेश और योगलीलाओं पर आधारित

www.rishidarshan.org

लोक कल्याण सेतु

मासिक समाचार पत्र



समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है।

www.lokkalyansetu.org



''मैं ९वीं कक्षा का छात्र हूँ। सारस्वत्य मंत्र की दीक्षा के बाद नियमित जप, ध्यान व प्राणायाम तथा बाल संस्कार केन्द्र में जाने से मेरी स्मरणशक्ति, निर्णयशक्ति तथा एकाग्रता में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए। 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में पूज्य बापूजी की कृपा से मैं 'हॉट सीट' के लिए चुना गया। उस समय मैंने सद्गुरुदेव द्वारा प्राप्त सारस्वत्य मंत्र का मन में जप किया और एक-एक प्रश्न का जवाब देता गया और अंततः २५ लाख रुपये जीते!'' - विनय शर्मा, पठानकोट (पंजाब)



''खेलते-खेलते मेरा छोटा भाई छत से नीचे गिर गया। उस समय हमारे घर में कोई बड़ा नहीं था। हम सब बच्चे डर गये। इतने में पूज्य बापूजी की आवाज आयी कि 'तांशु ! इसे वैन में लिटा और वैन चलाकर हॉस्पिटल ले जा।' मुझे रास्तेभर ऐसा एहसास रहा कि बापूजी मेरे साथ बैठे हैं और गाड़ी चलवा रहे हैं।'' (उस समय तांशु की उम्र ५ वर्ष थी। घर से अस्पताल का अंतर ५ कि.मी. से अधिक है।) - तांशु बेसोया, दिल्ली

पर्यावरण सुरक्षा अभियान

Environment Protection Campaign

✻ देशभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम ✻ पर्यावरण सुरक्षा की महत्ता पर शैक्षणिक कार्यक्रम
✻ प्रदूषण-निवारक व पर्यावरण-मित्र आँवला, तुलसी, पीपल और वटवृक्ष का जगह-जगह रोपण







व्यसनमुक्ति अभियान

De-Addiction Campaign

✻ पूज्य बापूजी के सत्संग द्वारा व्यसन करनेवाले करोड़ों लोग व्यसनमुक्त हुए हैं और आज स्वस्थ, सुखी व सम्मानित जीवन जी रहे हैं। ✻ जागृति यात्राएँ, प्रेरणादायक प्रदर्शनी, 'नशे से सावधान' साहित्य का वितरण। ✻ इस हेतु विद्यालयों में विडियो प्रस्तुतीकरण, कार्यशालाएँ (**workshops**) आदि।

प्राकृतिक आपदाओं में सेवाकार्य

Relief Works in Natural Calamities

चाहे लातूर(महा.) अथवा भुज(गुज.) का भूकम्प हो या गुजरात का अकाल, ओड़िशा, बिहार, उत्तराखंड व गुजरात में आयी बाढ़ हो या सुनामी का महातांडव - सभी जगह संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से आश्रमों एवं साधकों द्वारा हमेशा सेवाएँ दी जाती रही हैं।



जनकल्याण सेवाएँ

Social Welfare Services

✻ सार्वजनिक स्थलों पर निःशुल्क शीतल पलाश शरबत, छाछ वितरण व जल प्याऊ सेवा ✻ वातावरण एवं वैचारिक शुद्धि हेतु वैदिक मंत्रों द्वारा हवन-यज्ञ का आयोजन ✻ समाज में नैतिक शिक्षा के प्रचार व व्यसनमुक्ति हेतु चेतना जगाने के तथा समय-समय पर धर्म प्रचार के उद्देश्य से हर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भगवन्नाम संकीर्तन यात्राओं एवं प्रभातफेरियों का आयोजन।





चिकित्सा सेवाएँ

Holistic Health Services

✻ आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक, प्राकृतिक, एक्यूप्रेशर - इन निर्दोष पद्धतियों से निष्णात वैद्यों द्वारा विभिन्न आश्रमों में उपचार ✻ देश के सुदूर क्षेत्रों में 'निःशुल्क चिकित्सा शिविरों' का आयोजन ✻ आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ आसानी से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती, वहाँ सेवा के लिए आश्रम के चल-चिकित्सालय (**Mobile Dispensaries**) पहुँच जाते हैं। ✻ मरीजों में फल, दूध, दवाएँ व सत्साहित्य का वितरण




''मैंने 'ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी' के ८०,००० शब्दों को उनकी पृष्ठ-संख्यासहित याद कर विश्व-कीर्तिमान स्थापित किया है। फलस्वरूप मेरा नाम 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो गया। यह सब पूज्यश्री से प्राप्त सारस्वत्य मंत्रदीक्षा व स्मृतिवर्धक यौगिक प्रयोगों का ही परिणाम है।''
- विरेन्द्र मेहता, रोहतक (हरि.)



''जब से मैंने पूज्य बापूजी का मार्गदर्शन व आशीर्वाद पाया है, तब से मेरे जीवन में सफलता का द्वार खुल गया है।''
- इशांत शर्मा, क्रिकेटर



भलाई जो की संतों ने, निंदक कर सकेंगे क्या ?








जिन भी संतों-महापुरुषों ने संस्कृति-रक्षा एवं जन-जागृति का कार्य किया है,
उनके खिलाफ षड्यंत्र रचे गये परंतु परिणाम यह हुआ कि समाज में उन संतों के प्रति आस्था और भी बढ़ी...



१३ अखाड़ों के साधुओं व विभिन्न धर्मों के आचार्यों ने सर्वसम्मति से पूज्य संत श्री आशारामजी बापू को 'धर्म रक्षा मंच' के सभाध्यक्ष के रूप में चुना एवं उनके प्रति अपनी आत्मीयता, अहोभाव व्यक्त किये ।

उन्नति के शिखर पर पहुँचना हो तो निराशा व दुर्बलता को तुरंत त्याग दो । भय, शोक, चिंता आदि ने आपके लिए जन्म ही नहीं लिया है । पुरुषार्थ करो, भगवान और संतों की कृपा सदा आपके साथ है । **- पूज्य संत श्री आशारामजी बापू**

प्रकाशक एवं वितरक : **महिला उत्थान ट्रस्ट**
मुद्रण स्थल : हरि ॐ मेन्युफेक्चरर्स, पौंटा साहिब (हि.प्र.)
संत श्री आशारामजी आश्रम, अहमदाबाद-५
फोन : (०७९) ३९८७७७८८, २७५०५०१०/११
visit us: www.ashram.org, email: ashramindia@ashram.org

स्थानीय सम्पर्क :.....

ashramindia   ashram.org

₹ १०